हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 जून 2024

11 इंद्रधनुष-जीवन के रंग, आपके संग नामक कार्यक्रम ने मोह लिया मन

12 एजेंसी का ठेका खत्म होने से सार्वजनिक शौचालयों पर 20 दिनों से लटका है ताला

खबर संक्षेप

शिमली स्कूल में चोरी नहीं है कोई चौकीदार

नारनौल। नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव शिमली ईस्माईलपुर के प्राइमरी स्कूल में चोरी की वारदात हुई है। रात के समय इस स्कूल में चौकीदार नियुक्त नहीं है। मुख्य अध्यापक की शिकायत पर नांगल चौधरी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। मुख्य अध्यापक सुरेंद्र कुमार ने शिकायत में बताया है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला शिमली ईस्माईलपुर के अंदर 21 जून की रातको दो बैटरी व एक इन्वेटर और सरकारी रिकॉर्ड संबंधित रजिस्टरों की चोरी हो गई है। कोई अनजान व्यक्ति इस सामान को बिजली कनेक्शन काट कर ले गए। स्कूल की गर्मियों की छुट्टियां हुई है। स्कूल के अंदर रात्रि के दौरान निगरानी करने के लिए कोई भी चौकीदार नियुक्त नहीं है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के 25 हजार से अधिक आवेदनों में से 70 फीसदी पंचायत लेवल पर पेंडिंग, हाईटेक पंचायत होने के बावजूद योजना को नहीं लगा पा रहे पंख

■ गांवों में महिलाएं सिलाई मशीन मिलने की उम्मीद में कर रही सर्वाधिक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

केंद्र सरकार की विश्वकर्मा योजना है। इस योजना के अंतर्गत विश्वकर्मा समुदाय की बहुत सी जातियों को लाभ प्रदान किया जाएगा। इस योजना के तहत विश्वकर्मा समुदाय की सभी जातियों को बहुत ही कम ब्याज दर पर लोन उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके साथ ही सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न प्रकार की सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत पात्र

पीमए विश्वकर्मा योजना लॉगो

उम्मीदवार सीएससी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितम्बर-2023 में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण और ट्रेनिंग दी जाएगी। साथ ही उन्हें प्रशिक्षण के दौरान प्रतिदिन पांच सौ की राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा सरकार विभिन्न प्रकार के टूल किट खरीदने के लिए 15 हजार की राशि बैंक ट्रांसफर करेगी। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत विश्वकर्मा समुदाय के नागरिक फ्री में ट्रेनिंग प्राप्त कर सकते है। साथ ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए सरकार से मात्र पांच प्रतिशत ब्याज पर तीन लाख तक की राशि प्राप्त कर सकते है। यह राशि दो चरणों में दी जाती है। पहले चरण में एक लाख का लोन दिया जाता है। उसके बाद दूसरे चरण में दो लाख का लोन दिया जाता है।

पीएम विश्वकर्मा योजना की श्रेणियाँ

योजना का लाभ लोहार, सुनार, मोची, नाई, धोबी, दर्जी, कुम्हार, मूर्तिकार, कारपेंटर, माला कार, राज मिस्त्री, नाव बनाने वाले, अस्त्र बनाने वाले, ताला बनाने वाले, मछली का जाला बनाने वाले, हथौड़ा और टूलकिट निर्माता, चटाई, झाड़ू बनाने वाले, पारंपरिक गुड़िया और खिलौना बनाने वाले कारीगरों को शामिल किया है।

फॉर्म भरने के लिए आवश्यक दस्तावेज

ढाणी बाठोठा सीएससी इंचार्ज योगेश कुमार ने बताया कि योजना के फॉर्म भरने के लिए कुशल कारीगर के साथ साथ 18 वर्ष की आयु, आधार कार्ड से लिंक बैंक पास बुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड, यूपीआई आईडी, आधार कार्ड में पंजीकृत मोबाइल नंबर होना जरूरी है।

गरीब व कुशल कारीगरों के लिए सुनहरा अवसर

बहुत सारी जातियां सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की आर्थिक लाभ योजनाओं से वंचित रह जाती है। साथ ही कामकाजी क्षेत्र में भी उन्हें सही प्रकार से प्रशिक्षण नहीं मिलता है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का मुख्य उद्देश्य विश्वकर्मा समुदाय की सभी जातियों को कामकाजी क्षेत्र में सही ट्रेनिंग प्रदान करना है। साथ ही उन्हें खुद का रोजगार शुरू करने के लिए बहुत कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाना है। इस योजना की वजह से ऐसी सभी जातियां, जिनके पास प्रशिक्षण या ट्रेनिंग करने के लिए पैसा नहीं है लेकिन वह कुशल कारीगर है तो ऐसे लोगों को सरकार इस योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता प्रदान करती है। विशेष रूप से विश्वकर्मा समुदाय के शिल्पकारों के लिए यह योजना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस योजना के अंतर्गत आर्थिक मदद प्राप्त करके विश्वकर्मा समुदाय के लोग आर्थिक व सामाजिक रूप से अपना विकास कर सकते है और देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकते है।

जिले में योजना के आवेदनों की स्थिति

जिला एमएसएमई केंद्र नारनौल से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के कुल 25300 आवेदन प्राप्त हो चुके है। जिनमें से 20972 ग्रामीण क्षेत्र तथा 4323 आवेदन शहरी क्षेत्र से प्राप्त हुए है। ग्राम सरपंच तथा वार्ड पार्षद द्वारा केवल 10051 आवेदन ही स्वीकृत करके स्टेज फस्ट के लिए भेजे गए है जो जिला उपायुक्त कमेटी के पास आए है। 15189 आवेदन अभी पंचायत लेवल पर ही पेंडिंग है। कुशल कारीगरों को ट्रेनिंग के लिए जल्द ही बुलाए जाने की उम्मीद है।

सब्जियों के दामों में 10 से 40 रुपये तक की वृद्धि

सब्जियों के दामों में लगी आग, आम आदमी व मध्यम वर्ग का निवाला निगलना हुआ मुश्किल

प्री मानसून की एकबार भी अच्छी बरसात नहीं होने एवं निरंतर अब तक तापमान बढ़े रहने से भीषण गर्मी में सब्जियों के उत्पादन में गिरावट आना माना जा रहा प्रमुख कारण

सब्जियों के भी बढ़ते दामों से रसोई का बजट बिगड़ गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। फुटपाथ पर लगी दुकान से सब्जी खरीदती एक गृहिणी। फोटो : हरिभूमि

ये है कारण: कुछ ही समय में सब्जियों की बढ़ी कीमतों से सब हैरान हैं। अप्रैल-मई में प्री-मानसून की एकबार भी अच्छी बरसात न होना और अब जून के महीने में भी निरंतर पड़ रही भीषण गर्मी की मार लोगों की जेबों पर पड़ रही है। गर्मी के कारण सब्जियों की फसल को नुकसान पहुंचा है। इस वजह से इसकी कीमत इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं। सब्जी की आवक बाजार में जैसे ही कम हुई, कीमतें आसमान छूने लगी हैं। जो लोग पहले किलो भर सब्जी ले रहे थे, अब वह ढाई सौ-तीन सौ ग्राम में ही गुजारा कर रहे हैं।

भीषण गर्मी के साथ सब्जियों के दाम आम आदमी का पसीना छुड़ा रहे हैं। प्याज के साथ-साथ आलू, टमाटर, नींबू व घीया के दाम आसमान छू रहे हैं। साथ ही अन्य सब्जियों के भी बढ़ते दामों से रसोई का बजट बिगड़ गया है। सब्जियों के दामों में 10 से 40 रुपये तक की वृद्धि दर्ज की गई। इसका कारण प्री मानसून की अच्छी बरसात न होने एवं तापमान निरतंर बढ़े रहने से सब्जियों की उत्पादकता पर असर पड़ना माना जा रहा है और सब्जियों की कम आवक हो रही है। सब्जियां महंगी होने के साथ ही अन्य खाद्यान्नों पर भी महंगाई की बिजली पड़ गई है और इनके दाम भी बढ़ गए हैं। कुल मिलाकर गरीब-मजदूर एवं मध्यम वर्ग का निवाला निगलना और भी मुश्किल हो गया है। गौर हो कि जिन घरों में हर दिन दो तरह की सब्जियां बनती थी, अब वहां एक ही सब्जी से काम चलाया जा रहा है। कुछ दिन पूर्व तक लोग सब्जियों में दिल खोलकर लहसुन-प्याज और टमाटर डाल कर मसालेदार चटपटा खाना खाते थे, आज वह कंजूसी के साथ बेस्वाद खाना खा रहे हैं। इसकी वजह अचानक से सब्जियों के दाम में उछाल आना है। सब्जी के भाव अचानक ही बढ़ गए हैं। जहां पहले पांच सौ रुपये में हफ्ते भर की सब्जियां आ जाती थी, अब एक या दो दिन की सब्जियों में ही इतने पैसे खर्च हो जा रहे हैं। कुछ समय पहले तक जो टमाटर बीस रुपये था, वो अब 40-60 रुपये प्रति किलो के दाम में बिक रहा है। प्याज की कीमतें 15 दिन पहले महज 20 रुपये प्रति किलो थी, वह बढ़कर अब 40 रुपये प्रति किलो हो गई हैं। बात अगर अन्य सब्जियों की करें तो धनिया पत्ते को अब लोग देख भी नहीं पा रहे हैं। ये इतनी महंगी हो गई है कि ठेले वालों ने इसकी चटनी देना बंद कर दिया है। सब्जियों की बढ़ती कीमत ने खाने को बेस्वाद कर दिया है।

जिम्मेदार नहीं कर रहे कर्तव्य का पालन

क्रांतिकारी वतन बचाओ मंच के प्रधान उमाकांत छक्कड़ ने बताया कि सरकार को खाद्य सामग्री पर मुनाफा निर्धारित सीमा में तय करना चाहिए। मुनाफाखोरी व कालाबाजारी में जनता लुट रही है। कुल मिलाकर सब्जियों, मसालों व दालों के भाव कम होने चाहिए, क्योंकि जो किसान सब्जियां उगाता है, उसकी सब्जियां मिट्टी के भाव खरीदी जाती हैं, लेकिन बाद में व्यापारी एवं फुटकर विक्रेता मिलकर उसी सब्जी को सोने के भाव बेचते हैं, यह ग्राहकों व किसानों के साथ ज्यादति है। सवेरे जल्दी सब्जी मंडी में जाकर खाद्यापूर्ति विभाग के अधिकारी एवं मार्केट कमेटियों के अधिकारी मिलकर इसकी जांच करके कालाबाजारी वालों के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं, लेकिन कोई जहमत नहीं उठाता। सबको कुर्सी ने जकड़ रखा है और सुविधा शुल्क एवं मंथली के चक्कर में पड़े रहते हैं। अपने कर्तव्य का पालन करना ही भूल गए हैं।

अभी कीमतें होंगी और भी तेज

बारिश का मौसम अभी आया भी नहीं है। बारिश में यूं भी सब्जियों के दाम बढ़ जाते हैं। गर्मी की वजह से जून में जो कीमतें हैं, उनकी अभी और ज्यादा बढ़ने की संभावना है। महज एक पखवाड़े में ही प्याज की कीमत 20 से 40 रुपये हो गई है। उस पर आने वाले बरसात के दिनों में प्याज के सड़ने के चांसेज काफी बढ़ गए हैं। बाजार में सब्जी की आवक कम होने की वजह से व्यापारी एवं फुटकर विक्रेता भी इसका लाभ उठाने से नहीं चूक रहे। वह और दाम बढ़ाकर सब्जियां मार्केट में बेच रहे हैं।

नारनौल मिनी सब्जी मंडी के भाव (प्रति किलोग्राम)

आलू	40 रुपये	कोला	30 रुपये
प्याज	40 रुपये	हरी मिर्च	80 रुपये
टमाटर	60 रुपये	धनिया	120 रुपये
खीरा देशी	30 रुपये	नींबू	100 रुपये
खीरा चाइनीज	50 रुपये	परमल	60 रुपये
टींडा	60 रुपये	अरबी	80 रुपये
फूल गोभी	100 रुपये	गाजर	50 रुपये
घीया	50 रुपये	पालक	10 रुपये
शिमला मिर्च	100 रुपये	मूली	50 रुपये
भिंडी	60 रुपये	तौरू	60 रुपये
हरी ग्वार फली	80 रुपये	हरी मट्टर	200 रुपये
बैंगन	40 रुपये	अदरक	200 रुपये
करेला	40 रुपये	लहसुन	200 रुपये
आरिया	50 रुपये	मशरूम	50 रुपये

खाद्यान्नों के दाम (प्रति किलोग्राम में)

खाद्यान्न	23 जून	20 मई
अरहर की दाल	180	140
उड़द धुली	140	120
उड़द साबुत	120	110
चने की दाल	100	80
बेसन	100	80
राजमा	140	130
हल्दी	280	220
लाल मिर्च	360	340
सरसों तेल (लीटर)	130	120
आटा	30	27

ये बोली गृहिणियां

शिक्षिका बबीता ने बताया कि गर्मी में बीमारी से बचाव के लिए हरी सब्जी अधिक खाई जाती है। दाल-बेसन आदि सब महंगे है। सरकार को इनके दामों में कमी लानी चाहिए। बढ़ते दामों पर रोक लगानी चाहिए। कौशिल्या ने बताया कि सब्जी हो या दाल सभी महंगे हैं। इतनी महंगाई में रसोई का बजट बिगड़ना तय है। एक सप्ताह पहले 150 रुपये में जो सब्जी झोला भरकर लाती थी, अब मुश्किल हो गया है। महंगाई की मार दोगुनी हो गई है। इसे कम किया जाना चाहिए। आरती ने बताया कि हम जैसे-तैसे रसोई का बजट बनाती हैं, लेकिन महंगाई से बजट आए दिन बिगड़ जाता है। महिलाओं को रसोई का बजट बनाने में कई तरह की समस्याएं झेलनी पड़ रही है।

नारनौल क्षेत्र में सड़क हादसों में तीन की मौत

नारनौल। महेंद्रगढ़ रोड स्थित फैजाबाद की ढाणी स्थित शिव मंदिर के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से मेई निवासी 24 वर्षीय अनिल कुमार नामक एक युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक के पिता गांव मेई निवासी सूबेसिंह ने बताया कि उसका बेटा अनिल व गांव के ही दो युवक दुष्यंत और रणधीर शनिवार रात को खेत में जुताई का कार्य करने गए थे। रात के करीब एक बजे वह ट्रैक्टर में तेल भरवाने के लिए लहरोदा जा रहे थे। इस दौरान ट्रैक्टर दुष्यंत चला रहा था। वह जैसे ही फैजाबाद की ढाणी के शिव मंदिर के पास पहुंचे तो अचानक ट्रैक्टर पर से नियंत्रण खो दिया और वह पलट गया, जिससे ट्रैक्टर पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नागरिक अस्पताल नारनौल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने अनिल को मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना में घायल में दुष्यंत और रणधीर का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मृतक अविवाहित था और मेहनत-मजदूरी करता था। चिकित्सकों ने मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया।

सिक्योरिटी इंचार्ज की जान गई

इसी प्रकार एनएच 11 पर ही सुराणा (नजदीक आरपीएस स्कूल) गांव के पास हुए सड़क हादसे में कंपनी में कार्यरत अमरपुर जोरासी निवासी सिक्योरिटी इंचार्ज कैलाशचंद की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। उनके बेटे मनोज कुमार ने बताया कि उनके पिता रेवाड़ी जिला के गांव करणावास स्थित एक कंपनी में बतौर एसओ यानि सिक्योरिटी ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे। जब वह 21 जून की देर शाम को जब बाइक से गांव आ रहे थे, तब एनएच 11 पर नीरपुर-सुराणा गांव की सीमा में बने फ्लाईओवर के पास उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने उन्हें नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां से उनको पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया। उनके बेटे मनोज कुमार ने बताया कि जब वह रोहतक अपने पिता के पास पहुंचे, तब चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में सूचना मिलने पर नारनौल पुलिस रोहतक पहुंची और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ पर्चा दर्ज करने उपरांत शव का पीजीआई से पोस्टमार्टम करवा उसे परिजनों को सौंप दिया।

टाइल मिस्त्री की मौत

दूसरी ओर एनएच 11 पर गांव भांखरी-गोद बलाहा के मध्य टाटा हेयियर गाड़ी द्वारा मोटरसाइकिल को टक्कर मार देने से बाइक सवार करीब 42 टाइलों के मिस्त्री की मौत हो गई। पुलिस को दिए बयान में सूरत सिंह ने बताया कि वह डोहर कलां का रहने वाला है। उसका छोटा भाई बलवंत तथा हमारे गांव को जोगेंद्र बाइक से जा रहे थे, तब भांखरी से गोद बलाहा के बीच उनका एक्सीडेंट हो गया। सूचना मिलने पर वह सरकारी अस्पताल नारनौल पहुंचा, जहां दुर्घटना में लगी चोटों के कारण उसके भाई बलवंत की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बलवंत और जोगेंद्र दोनों ही बलवंत की मोटरसाइकिल से गांव डोहर कलां से गोद बलाहा सामान लेने के लिए जा रहे थे, तभी टाटा गाड़ी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पूछने पर गाड़ी चालक ने अपना नाम केशव गोयल वासी मोहल्ला सपना नई भूमि इंदौर मध्य प्रदेश बताया। सदर पुलिस ने बयानों के आधार पर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक शादीशुदा था तथा उसके दो लड़के बताए गए हैं। इस दुर्घटना के घायल जोगेंद्र सिंह का नारनौल के सीबीएम अस्पताल में उपचार चल रहा है।

देसी कट्टा व जिंदा कारतूसों के साथ आरोपी को पकड़ा

नारनौल। जिला पुलिस की ओर से अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। सीआईए पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सिटी क्षेत्र से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपित टिंकू वासी कोजिन्दा को पकड़ा है। उसके पास से अवैध हथियार और दो जिंदा कारतूस मिले है। आरोपित को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए टीम गस्त के दौरान शहर में बहरोड मोड पर मौजूद थी, उसी समय टीम को गुप्त सूचना मिली कि टींकु वासी कोजिन्दा के पास अवैध हथियार है और कोजिन्दा रोड पर पेट्रोल पंप के नजदीक खडा है। जो किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। अगर तुरंत रेड की जाए तो आरोपित को अवैध हथियार सहित काबू किया जा सकता है।

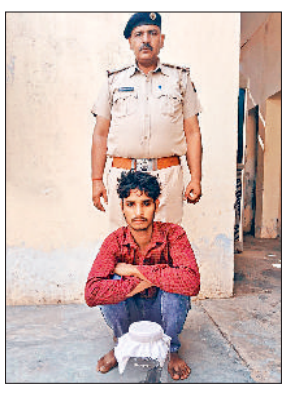
नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित

सीआईए ने रेडिंग पार्टी तैयार कर बताए हुए स्थान पर रेड की, जहां पर एक युवक खड़ा दिखाई दिया। यह पुलिस गाड़ी को देखकर तेज कदमों से चलने लगा। जिसको काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम टिंकू उपरोक्त बतलाया। जिसकी तलाशी लेने पर एक अवैध देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस मिले।

6.09 ग्राम स्मैक सहित आरोपी गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। पुलिस द्वारा 12 से 26 जून तक नशा मुक्त हरियाणा पखवाड़ा चलाया जा रहा है, जिसके तहत नशीले पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया जा रहा है। सीआईए पुलिस टीम ने गांव बचीनी क्षेत्र से नशीले पदार्थ सहित एक आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान मनोज वासी बुचौली के रूप में हुई। आरोपित के पास से करीब 6.09 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपित के खिलाफ थाना सदर में मामला दर्ज किया गया और नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए टीम को गुप्त सूचना मिली कि मनोज वासी बुचौली स्मैक बेचने का काम करता है, जो आज गांव बचीनी क्षेत्र में खेत में बने कोटडे के बाहर स्मैक लिए हुए किसी के इंतजार में बैठा है। अगर तुरंत रेड की जाए तो मौका पर स्मैक सहित काबू आ सकता है। रैडिंग पार्टी तैयार कर बताए हुए स्थान पर रेड की गई।

खड़गवान में 19 जून को गैस लीक होने से लगी आग में परिवार के झुलसे थे चार लोग

पीजीआई में जिंदगी की जंग हारा परिवार, गैस सिलिंडर लीक होने से हुआ था हादसा, दंपती सहित दो बच्चों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गांव में मृतकों का अंतिम संस्कार करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मृतक बिजेंद्र

मृतक मंजू

मृतक दोनों बच्चे

गांव खुडाना बास की ढाणी खड़गवान में 19 जून बुधवार को गैस लीक होने से लगी आग से एक ही परिवार के चार लोग माता-पिता और दो बच्चे बेटा-बेटी झुलस गए थे। शनिवार को रोहतक पीजीआई में सभी ने दम तोड़ दिया। खुड़ाना निवासी डॉ. नरेंद्र ने बताया कि उसका बड़ा भाई विजेंद्र राजस्थान में प्राइवेट शिक्षक था और उसकी भाभी मंजू आंगनबाड़ी वर्कर थी। वे अपने दोनों बच्चों रोहित व चंचल के साथ 10 से 12 दिन पहले ही गांव में छुट्टी मनाने आए हुए थे। बुधवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे जब सभी लोग रसोई घर में थे। तब सिलेंडर से गैस लीक होने के कारण आग लग गई। हादसे में परिवार के चारों लोग झुलस गए। उपचार के लिए महेंद्रगढ़ नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। गैस सिलेंडर लीक होने से 42 वर्षीय बिजेंद्र, 40 वर्षीय मंजू पत्नी बिजेंद्र, 14 वर्षीय रोहित पुत्र बिजेंद्र व 12 वर्षीय चंचल पुत्री बिजेंद्र गैस सिलेंडर लीक होने से गंभीर रूप से झुलस गए थे। शनिवार सुबह पांच बजे बिजेंद्र ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पिता से ठीक दो घंटे बाद करीब 7 बजे 14 वर्षीय रोहित ने भी दम तोड़ दिया। रोहित के बाद बिजेंद्र की पत्नी मंजू ने भी उपचार के दौरान ही अंतिम सांस ली। जबकि बेटी चंचल आईसीयू में जिंदगी की जंग हार गई। शनिवार को एक-एक कर उनके भाई, भाभी, भतीजे और भतीजी की मौत हो गई। एकसाथ चार मौत की सूचना से पूरे गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इसके अलावा गांव की गलियों में सन्नाटा छाया हुआ था। रोहतक पीजीआई में पोस्टमार्टम के बाद सभी मृतकों के शव उनके पैतृक गांव खुडाना में पहुंचे, जहां एकसाथ सभी को अंतिम विदाई दी गई। गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। सूचना के बाद आसपास के दर्जनभर गांवों से अनेक लोग भी बास खुड़ाना पहुंच गए। मामले पर जानकारी देते हुए आकोदा चौकी प्रभारी देवेंद्र ने बताया कि पीजीआई रोहतक से सूचना मिली थी कि बिजेंद्र ने उपचार के दौरान शनिवार सुबह पांच बजे दम तोड़ दिया है।

जनजीवन के दृश्यों को महत्व

रेनू व हिमानी के चार चित्रों में प्रकृति सुषमा के साथ-साथ जनजीवन के दृश्यों को महत्व दिया है। प्रकृति व संस्कृति का अद्भुत तालमेल होता है। यहीं सामंजस्य इन बाल कलाकारों ने अपने चित्रों में दिखाया है। अनुराधा, रितु, सीमा व सूरजमुखी ने अपने चित्रों में हमारे समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ रंगों के माध्यम जंग लड़ी है। इससे पता चलता है कि समाज में कोढ़ की तरह फैली बुराइयां इन्हें कौंधती हैं। बाल कलाकार सीमा प्रकृति प्रेमी है। उसने एक चित्र में सूर्योदय के समय टहनी पर बैठा पक्षी युगल जैसे सुख-दु:ख की बातें कर रहा हो, बनाया है।

बच्चों की कूची से निकले मुंहबोलते संदेश

बालमन सामाजिक समस्याओं को लेकर संजी रहते हैं। जब उन्हें इस पर अपनी इच्छा से अभिव्यक्ति की आजादी दी जाती है तो वे लेखन या चित्रों के माध्यम में वे तस्वीरें उकेर देते हैं जिनकी कई बार बड़े कल्पना भी नहीं रि सकते। पेंटिंग भावनाओं की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है जो दर्शक को भीतर तक झकझोर कर रख देता है।

कला | डॉ. सुमन कादयान

कला के शिखर पर पहुँचने के बाद विश्व विख्यात चित्रकार पिकासो ने कहा था, 'मैं किसी भी बड़े कलाकार की नकल कर सकता हूँ, किन्तु बच्चों की कला की नकल नहीं कर सकता।' उन्होंने यह इच्छा भी जाहिर की थी कि मैं बच्चों जैसे चित्र बनाना चाहता हूँ। पिकासो की इस इच्छा से ज्ञात होता है कि पिकासो बच्चों को साधारण चित्रकार नहीं मानते थे और वो यह भी समझते थे कि बिना किसी दबाव या प्रभाव के, नितांत मौलिक ढंग से चित्र बनाना बालमन से ही सम्भव है। बच्चों द्वारा खेल-खेल में सृजित चित्रों को बाल चित्रकला के अंतर्गत रखते हैं। उनके द्वारा चित्रित कलाकृतियां कई मायनों में उल्लेखनीय होती हैं।

बच्चों द्वारा बनाए चित्रों के पीछे भी एक तार्किकता होती है तथा इसके मनोवैज्ञानिक अध्ययन से उनकी मनोवृत्ति का स्पष्ट आभास मिल सकता है। यह सत्य है कि बच्चों में ड्राईंग के प्रति स्वाभाविक रुझान होता है। जब बच्चों में चित्र बनाने की बात छेड़ी जाए तो उनमें अनायास ही उत्साह आ जाता है तथा चित्र बनाने के लिये लालयित हो जाते हैं। चित्र बनाते समय उन्हें आनन्दानुभूति होती है। नई स्फूर्ति जागृत होती है। ऐसा माना जाता है कि बालक के अपरिपक्व मस्तिष्क में जो विचार कौंध रहे होते हैं अथवा जो भावनाएं उनके अंतर्मन को किसी एक क्षण में आंदोलित कर रही होती हैं, रेखाएं उसके हाथ उन्हीं का आकर लेगी।

देशभक्ति के भाव जगाते चित्र

ग्यारहवीं कक्षा की खुशी एक कुशल चित्रकार है। उसने शहीद भगत सिंह, छत्रपति शिवाजी के सुन्दर चित्र बनाए हैं जो देशभक्ति के भाव जगाते हैं तो वीरता का एहसास करवा रहें है। एक चित्र में श्रीमद्भगवत गीता के महत्त्व व हमारे जीवन पर उसके प्रभाव को खूबसूरती से दिखाया है। एक अन्य चित्र में दिखाया है कि सिगरेट का धुआं जीवन को काला करके जीवन में खुशहाली के समस्त रंग गायब कर देता है। नौवीं कक्षा की मोनिका ने सूर्योदय-सूर्यास्त के समय का स्वर्णिम वातावरण तथा बसन्त के इन्द्र धनुषी रंग कुशलता से चित्रित किए हैं।

अनदेखी

पटाखे बजाना शान समझते हैं लोग, जहरीली हो रही शहरों गांवों की आबोहवा

कब्जा

अपने कुछ देर के शौक के लिए ऐसे लोगों का दम घोट देते हैं, जिनको सांस की बीमारी है

चित्रों में अभिव्यक्ति की तार्किकता

बाल चित्रकारों के मन पर आसपास के वातावरण का प्रभाव भी पड़ता है। जो बच्चा देखता है, भोगता है या महसूस करता है उसे अपने चित्रों में स्थान देता है। हालांकि बच्चों की चित्रकारी के मुख्य विषय पेड़ पौधे, चिड़िया, बिल्ली, चूहा, पहाड़, झरने, पतंग, झूले, तितली, बादल, फूल आदि होते हैं, किन्तु थोड़ी परिपक्वता आने पर बच्चा या किशोर पूरे परिवेश को जानने, समझने लगता है। उसकी यही परिपक्वता उसके चित्रों में आने लगती है। वह सामाजिक बुराइयों, आडम्बरों, बढ़ते प्रदूषण, छल-कपट को अपने चित्रों के विषय बनाकर उनके खिलाफ लड़ना आरम्भ करता है, तो पर्यावरण सरंक्षण पर गम्भीरता से सोचता है। बच्चों के चित्रों में उनकी अभिव्यक्ति झलकती है। ऐसी ही अभिव्यक्ति की झलक, पर्यावरण व भटकते हुए समाज की चिन्ता पिछले दिनों छात्राओं द्वारा बनाई पेंटिंग प्रदर्शनी में देखने को मिली। बाल व किशोर कलाकारों द्वारा बनाए चित्र मात्र रंग-ब्रुश, स्कैट या मोम रंगों से बनाए चित्र भर नहीं थे, बल्कि इन चित्रों को बनाते समय छात्राओं ने गहरे विवेक, बेहतरीन सोच व कला दक्षता का प्रमाण दिया है। इन चित्रों को बनाने के पीछे छात्राओं की सकारात्मक सोच, समाज व पर्यावरण की चिन्ता साफ झलकती है। चित्रों को देखने, परखने पर ज्ञात होता है कि वो समाज से बुराइयों को उखाड़कर अमन-चैन, समानता, भाईचारा चाहती हैं। वो प्रदूषित नहीं बल्कि साफ-सुथरा व हरा-भरा वातावरण चाहती हैं। ये कलाकार नहीं चाहते कि हम जिस समाज में रहते हैं वो कुण्ठित, नकारात्मक, द्वेषी, स्वार्थी हो। इन बाल व किशोर चित्रकार छात्राओं के चित्र गहराई से देखते हैं तो बड़ों को भी सोचने-समझने पर मजबूर कर देते हैं।

प्रकृति की सत्ता के दर्शन

बारहवीं कक्षा की छात्रा करिश्मा द्वारा बनाए कई चित्रों में प्राकृतिक सौन्दर्य कुदरत का करिश्मा, प्रकृति की सत्ता को दर्शाया है। एक पेंटिंग में गहरे जंगल के बीच से बहती नदी से एक बाघ पानी पीकर अपनी प्यास मिटा रहा है। बाघ पानी पीता-पीता नदी में तैर रही दो बड़ी बत्तखों को भी देख रहा है। जंगल के बीच से हरे पड़ों के ऊपर नीले आसमान में कुछ बादलों के झुण्ड दिखाई दे रहे हैं। जैसे वे जल्दी ही पूरे आसमान में छाकर पानी बरसा कर पूरे जंगल की प्यास मिटाने की तैयारी कर रहे हैं। नदी के पानी में पेड़ों व बादलों का सुन्दर बिम्ब आकर्षण पैदा कर रहा है।

नशे से दूर रहने के संदेश

एक अन्य छात्रा सुशीला ने एक शहर की बहुमंजिला कंकरीट की इमारतें, सड़क पर वाहनों की भरमार तथा उनसे निकलने वाला जहरीला धुआं दम घोटता दिखाया है। किशोर कलाकार ने दिखाया है कि बढ़ती इमारतों के कारण जंगल कम हो रहे हैं। पीने का पानी भी जहरीला व कम हो रहा है। लाल रंग से बनाया आसमान खतरे का संकेत है। कलाकार ने पानी बचाने की प्रेरणा भी दी है। दूसरी पेंटिंग में नशे के दुष्परिणाम को दर्शाया है कि जो नशा करता है उसका मान-सम्मान, धन, स्वास्थ्य सब कुछ प्रभावित होता है तथा परिवार को भी भुगतना पड़ता है। बारहवीं कक्षा की ही छात्रा पूनम ने भारी जंगलों से लदे पहाड़ों के सामने बनी प्राकृतिक झील में छोटे से टापू पर एक नव युवती पत्थर पर बैठी प्राकृतिक सुषमा का रस-पान कर रही हैं। ठण्ड का एहसास करने के लिए पैर पानी में डुबाए हुए है। दोनों ओर भारी जंगल, फूलों से लदी जंगली झाड़ियां, दूसरी ओर साफ नीले पानी की झील तथा पीछे ग्लेशियरों से अटी पड़ी पर्वत चोटियाँ चित्र को सुन्दरता व आकर्षण पैदा कर रहे हैं। जंगल के आगे मादा जेबरा व उसका बच्चा निश्चिंत खड़े दिखाए हैं। एक अन्य पेंटिंग में कुछ कटे हुए, कुछ सूखे हुए पेड, काले रंग में दिखाए हैं। जमीन पेड़ो के बिना बन्जर, धूसर,लाल-पीले रंग में दिखाई है। इसका असर आसमान पर भी नजर आ रहा है।

कविता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
अब दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझसे मुंह मोड़ने लगी हैं।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
कुछ ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का क़र्ज उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
तो लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।
तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफ़ान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।
खौफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।
दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।
खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा,
शोहरत मलबे में दब जाएगी,
रुतबा बिखर जाएगा,
जमीनें भी लूट ली जाएंगी।

रागनी | राजपाल सिंह गुलिया

धूणे पै ज्यूँ साधू तपता,
न्यूँ याह तपती धरती .
आज हवा भी तपी-तपाई,
मरण मारण न फिरती।

रूँख खड़े ये तपैं घाम मैं,
सिर नीचे न करकै .
जबरे आग्गै हीणा कोए ,
खड़्या हुया ज्यूँ डरकै .
धूप आज याह दिन धौली में,
खड़ी बरू नै चरती।

फिरैं देख ल्यो ढोर तिसाए,
नहीं झोड़ मैं पाणी .
पेड़ काटण नै कह तरक्की,
दुनिया याह गिरकाणी .

घर तैं भार लिकड़ते लू भी,
[illegible]री नाड़ पै धरती .

खबर छपी सै और पड़ैगी,
कुछ दिन दबकै गरमी .
नौतपे मैं योह सूरज देवता,
बरतै कोन्या नरमी .
सूरज नै किरणां की लागै,
नई करी सै भरती।

सूरज बाबा दया करो कुछ,
जी लिकड़ण नै होर्या .
पेड़ काट कै माणस अपणी,
इस करणी पै रोर्या
इसी गरमी कदे देख्यी ना,
लाग्यी कहण सुमरती।

गीत | भूपसिंह 'भारती'

गर्मी का महीना

गर्मी का महीना लू चालै घणघोर।
जेठ मास म्ह गर्मी, दिखलावै अपणा जोर।।

सूख गए सब, ताल तलैया,
ये पंछी मवेशी, प्यासे भैया,
प्यासी धरती मैया, अर प्यासा मरता मोर।

घाम पड़ै यो, चाम जळावै,
ऐडी चोटी लग, पसीनो आवै,
सबनै भोत सतावै, ना दीखै कोई ठोर।

सूरज का भई, देख तरारा,
फूंक दिया, सुख चैन हमारा,
दोषी सा हम सारा, ना दोषी कोई और।
ग्लेशियर भी, पिंघलण लागे,
फूटै भाग जै, इब नहीं जागे,
फेर बुरी हो म्हारै सागै, जै करी नहीं रै गोर।

गर्मी से बचने का, इलाज सै एक,
पेड़ लगाओ, घर घर म्ह अनेक,
कहै 'भारती' देख, बात ना करनी या इग्नोर।

कविता | अन्नू प्रिया

वापस हम नहीं आते

जिन रिश्तों के बिना रह नहीं सकते
उन्हें जरा सी बात लिए रुलाया नहीं करते
जिनके बिना जिंदगी अधूरी लगे
उनकी बातों को जाया नहीं करते

जायज नहीं हरवक्त उन्हें सताना
किसी दिन उनके रुठ चले जाने पर
शायद फिर रिश्तों में आया नहीं करते
ये कसम और वो वादे भी व[illegible]ते
जब दिल से लोग उतर जाया करते।

कमियों की दुकान रह जाते हैं रिश्ते
हर गम अपने दिल का, दिल में रखते
हर किसी को बताया भी नहीं करते।
हलक पर आवाज जब सच नहीं बोलते
तो चुप्पियों से जज्बातों के मंजर बदलते
समंदर के तूफान की तरह, बस शांत हो जाते।

कुछ भी न रहा रिश्तों में जब वो फिर आते
तो फिर वो मुझ पर हक क्यों जताते
सोचते हैं जोड़ तोड़ छोड़ में रिश्ते आजमाते
पता नहीं उन्हें, छोड़े हुए रिश्तों में वापस हम नहीं आते।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

दहलीज

किसी के घर में अनहोनी हो गई। घर की इज्जत तार-तार हो गई। सब लोग दहलीज की दुहाई दे रहे थे। उसी समय घर के दरवाजे ने एक तरफ पड़ी पुरानी दहलीज से पूछा, 'आजकल लोग तुम्हारी मर्यादा भूल गए हैं ...किसी को तुम्हारी इज्जत की परवाह नहीं है। जो चाहे वो तुझे अमर्यादित तरीके से पार कर जाता है...ऐसा क्यों?
'दहलीज ने जवाब दिया, 'आज दहलीज ही कहाँ रही है घरों में ...जब दहलीज ही नहीं तो कैसी मर्यादा या अमर्यादा।'
'वो कैसे?' दरवाजे ने पूछा।
'वो ऐसे कि खुद के नीचे झांक कर देख...है कहीं दहलीज..।' दहलीज ने दु:खी मन से जवाब दिया।

कविता | लवली आनंद

दुनिया का रंग

मुझे दुनिया के रंग
में रंगना नहीं आया,
मुझे दुनिया के ढंग
में ढलना नहीं आया,
समय से चूक कर मैं
बेमौत मारी गई कई बार,
मुझे सूरज की भाँति
ढल कर बस निकलना
ही आया हर बार,
दुःख आया और
दुःख के बाद सुख भी
आया हर बार
पर दुःख में रोना नहीं आया
एक भी बार,
दुःख आते गए दुःख के साथ
संघर्ष भी बढ़ता गया पर
संघर्ष में उफ्फ कर
के भागना नहीं
आया एक भी बार,
बहुत साथी मिले फिर
बिछड़ भी गए जो गए
सो गए मैं उन्हें मुड़ कर
देखी
न एक भी बार,
अब उन सबका
समय ही हिसाब करेगा..

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहल | **सौ मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे**

उम्र के आखिरी पड़ाव में भी प्रेरणास्रोत बने रामस्वरूप

गौरव

70 वर्षीय पत्नी शांति भी गौरव महसूस कर रही है

गुर

41 वर्षीय बेटे को भी गुर सीखने शुरू किए

परख

प्रतियोगिताओं में बेटे की प्रतिभा की परख कर रहे

जज्बा | दलबीर सिंह भूना

हसंगा गांव के 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा आज देशभर में लोगों के लिए उदाहरण हैं कि उम्र चाहे जो भी हो अगर हौसले बुलंद हैं तो दूसरों का मोहताज नहीं होना पड़ता, बिना एथलेटिक्स कोच के आज वह अकेले ही आत्मनिर्भरता के साथ एथलेटिक्स खेलों में प्रतिद्वंद्वी प्रतिभागियों को पछाड़ रहे हैं। रामस्वरूप कुकणा ने मुंबई मैराथन 2024 में 42 किलोमीटर की फुल मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान 3 घंटे 39 मिनट 9 सेकंड में दौड़ पूरी करके पहला स्थान हासिल किया। वहीं 21, 10 व 5 किलोमीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतना रामस्वरूप कुकणा के लिए बाएं हाथ का खेल बन चुका है। बुजुर्ग के हौसले बुलंद देखकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गोल्ड मेडलिस्ट को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त बेंगलुरू, दिल्ली, लखनऊ, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक, देहरादून आदि राज्यों में अपनी प्रतिभा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर 70 से ज्यादा गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। हालांकि हसंगा गांव के इस बुजुर्ग ने पूरी जवानी को किसानी में लगा दिया,मगर बुढ़ापे में गांव स्तर पर गत 5 वर्ष पहले हुई मनोरंजनदायक दौड़ प्रतियोगिता में कंसे गए कटाक्ष भरे व्यंग्य के बाद चुभती हुई बात सुनकर 75 वर्षीय रामस्वरूप कुकणा की पूरी जिंदगी बदल गई और देशभर में प्रतिभावान एथलेटिक्स बन गए।

प्रतियोगिता में बदला नजरिया

ग्राम पंचायत हसंगा ने करीब 5 वर्ष पहले मनोरंजन दायक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया था। उपरोक्त प्रतियोगिता में बुजुर्गों की भी दौड़ शामिल की गई थी, जिसमें रामस्वरूप कुकणा ने 70 वर्ष की आयु वर्ग की 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में भागीदारी सुनिश्चित की थी और जब दौड़ रहे थे तो अचानक जमीन पर जा गिरे। मगर इसी दौरान प्रतिभागी ने रामस्वरूप को चुभती हुई बात कह दी। उसी दिन से ही खेती-बाड़ी को छोड़कर एथलीट खेलों में अपना जीवन समर्पित कर दिया और तब से लेकर आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। क्योंकि 100 मीटर की प्रतियोगिता में 10 कदम नहीं दौड़ पाने वाले रामस्वरूप कुकणा अब 40 किलोमीटर कुछ ही घंटों में नाप रहे हैं। इसलिए बुढ़ापे की दहलीज पर जाकर नाम रोशन कर रहे हैं।

बुजुर्ग खिलाड़ी पर गर्व

सरपंच हसंगा के सरपंच वकील सहारण व पूर्व सरपंच सुरेंद्र लांबा ने बताया कि रामस्वरूप कुकणा देशभर में दूर- दराज जाकर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतकर हरियाणा का डंका दूसरे राज्य में बजा रहा है। इससे हमारी संपूर्ण पंचायत एवं ग्रामवासी गर्व महसूस करते हैं। एथलेटिक्स ने उम्र के आखिरी पड़ाव में भी दौड़ लगाकर शारीरिक रूप से मजबूत कर लिया है। क्योंकि महाराष्ट्र, बैंगलोर, दिल्ली, लखनऊ जैसे राज्य में एथलीट प्रतियोगिता में प्रथम नंबर पर आना अपने आप में रामस्वरूप कुकणा की उत्कृष्ट प्रदर्शन की एक बहुत बड़ी मिसाल है।

इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़ संस्कृति को बढ़ा रहे सुमित

◆ नौकरी से ज्यादा लोक गायकी में बेहतर करियर ◆ हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद आदर्श रहे ◆ लोककला और लोक गीतों की स्थिति दयनीय

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी लोक कला एवं संस्कृति में रची बसी सांग और रागनियों की गूंज सात समंदर पार तक सुनाई देती है। इसका श्रेय सूबे के लोक कलाकारों को है, जिसमें हरियाणवी लोक संस्कृति की अलख जगाने के लिए अलग विधाओं में हरियाणा को पहचान दी है। ऐसे ही लोक कलाकारों में हिसार के सुमित सातरोड ऐसे रागनी गायक हैं, जिन्होंने सामाजिक, आध्यात्मिक, वीर रस की गाथाओं की विधाओं में अपनी अलग पहचान बनाई है। वहीं सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को रागनी गायन के जरिये समाज के सामने परोसते हैं। सुमित ने समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए इंजीनियर की नौकरी को त्यागकर रागनी गायन शैली को अपनाया है। लोक कला के क्षेत्र में गायन शैली के दो दशक से ज्यादा के सफर को लेकर बुलंदियां छूते सुमित सातरोड ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, कि लोक कला के जरिए समाज में फैली कुरितियों को दूर करके सामाजिक समरसता की अलख जगाई जा सकती है।

लोक गायक सुमित सातरोड का जन्म 01 जनवरी 1974 को हिसार में गांव सातरोड में एक सामान्य परिवार में शिवकुमार शर्मा व संतोष देवी के घर में हुआ। जब वह तेरह साल के थे तो 1987 में उनके पिता का निधन हो गया था, जो एक सरकारी नौकरी में थे। पिता के निधन से पूर्व हमारी माता को नौकरी मिली, जिन्होंने हमारे लालन पालन और पढ़ाई का पूरा

ध्यान रखा और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग भी कराई। बकौल सुमित उन्हें बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था, परंतु परिवार में किसी प्रकार का कोई संगीत या कला का माहौल नहीं था और परिवार में उनके अलावा किसी अन्य सदस्य की इस क्षेत्र रुचि थी। सुमित को बचपन से नृत्य का अधिक शौक रहा। उनके गांव में हर छह महीने में गायन के लिए सुप्रसिद्ध लोकगायक मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल आते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद जब अपने गांव में मास्टर सतबीर सिंह भैंसवाल का गाना सुना, तो उन्हें पहली बार यह अहसास हुआ कि इस लोक गायकी से अच्छा कुछ नहीं है और तभी से उन्होंने भी अपना सारा ध्यान इसी लोक गायन संस्कृति पर केंद्रित करना शुरू कर दिया। उनके गायन शैली की शुरुआत साल 2000 भजन से की, जिसके बाद इतिहास और गाथाओं से जुड़े किस्सों पर रागनी गायन शुरू किया। हालांकि इसके लिए उन्हें घर परिवार और अपने संघी साथियों के विरोध का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान केंद्रित रखा और अपनी राह पर आगे बढ़ता रहा। वैसे भी हरियाणवी कवियों में से पंडित लखमी चंद मुख्य रूप से उनका आदर्श रहे, वहीं लोक गायन शैली में पं. लखमी के शिष्य पंडित मांगेराम और शहीद कवि जाट मेहर सिंह की गायन शैली से भी वह बहुत प्रभावित हैं। लोक संस्कृति पर उनकी रागनी गायकी का फोकस रहा है। उनकी गायन शैली में आध्यात्मिक व सामाजिक शास्त्र और श्रृंगार रस का समावेश भी रहा है।

सम्मान व पुरस्कार

रागनी गायक शैली के लोक कलाकार सुमित सातरोड ने विभिन्न विधाओं में अपनी कला के हुनर से हरियाणा ही नहीं, देश के कई राज्यों में सांस्कृतिक मंचों पर सम्मान पाया है। इसमें बाबा रामदेव की बायोपिक में गौ माता के भजन के ही करीब 15 सांस्कृतिक रत्न के रुप में पतंजलि योगपीठ से सांस्कृतिक अवार्ड शामिल हैं। इसके अलावा रागनी प्रतियोगिताओं और गांवों के मंच पर सैकड़ो पुरस्कार सम्मान उनके नाम दर्ज हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव चिंतनीय

आज के इस आधुनिक युग में लोककला और लोक गीतों की स्थिति बहुत ही दयनीय है। आज के इस सोशल मीडिया युग में हमारे मूल गीतों को दबाया जा रहा है, क्योंकि नाबालिग बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन है और वह इस आकर्षण में फंसते जा रहे हैं। बच्चों का हमारी मूल संस्कृति के प्रति कम रुझान है। लोक गायक सुमित सातरोड ने सामाजिक, अध्यात्म और लोक संस्कृति को अपनी कला से आगे बढ़ाने के लिए दस साल की इंजीनियरिंग की नौकरी को छोड़ दिया था। उनका कहना है कि नौकरी से ज्यादा अच्छा लोक गायकी के क्षेत्र में बेहतर करियर दिखा। सुमित का कहना है कि हरियाणा में पहले पहले नाट्य स्वांग का प्रचलन शुरू हुआ था, इसके बाद फिर सन 1920 के आसपास पंडित लखमी चंद ने रागनी गायन के दौर की शुरुआत की, जिसमें इसमें मटका, बेंजो, हारमोनियम सब बजाए जाते हैं।

खबर संक्षेप

कष्ट निवारण समिति की बैठक स्थगित

भिवानी। पंचायत भवन में 24 जून को होने वाली जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक स्थगित कर दी गई है। अब ये बैठक 28 जून को होगी। बैठक प्रदेश के पर्यावरण, वन, वन्य जीव एवं खेल राज्यमंत्री संजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित होगी। डीसी नरेश नरवाल ने बताया कि जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक 28 जून शुक्रवार को प्रातः 10 बजे होगी। बैठक में राज्यमंत्री के समक्ष 12 परिवाद सुनवाई के लिए रखे जाएंगे।

दुकान के सामने खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

बवानीखेड़ा। बाइक पर सवार होकर किरयाने का सामान लेने स्टैंड लगाकर खड़ी की बाइक को चोरी कर लिया गया। चोरी की घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। बवानीखेड़ा के सुमड़ा खेड़ा रोड निवासी आनंद ने बताया कि वह शनिवार को सांय 7 बजे नगर पालिका कार्यालय के सामने किरयाने की दुकान पर सामान लेने आया और बाइक खड़ी करके सामान लेने के उतरा। चाबी बाइक में से नहीं निकली और उसे वहीं छोड़ दिया। कुछ देर बाद सामान लेने पर बाइक को देखा तो गायब थी।

सीनियर सिटीजन महिला-पुरुषों के लिए अनेक कल्चरल इवेंट्स का आयोजन

इंद्रधनुष-जीवन के रंग, आपके संग नामक कार्यक्रम ने मोह लिया मन

वरिष्ठ नागरिक समाज के पथ प्रदर्शक हैं, खुशियां व सम्मान देना हम सब का कर्तव्य: डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज. महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करती डॉ. पवित्रा राव।

हस्ती देवी जन कल्याणार्थ समिति द्वारा शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में बीती शाम इंद्रधनुष-जीवन के रंग, आपके संग, नामक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सीनियर सिटीजन महिला-पुरुषों के लिए अनेक कल्चरल इवेंट्स का भी आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए अपनी-अपनी प्रतिभा दिखाई। सभी विजेताओं को माता बिमला देवी द्वारा मेडल पहनाकर उनके स्वास्थ व मंगलमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम में मुख्यातिथि समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज के पथ प्रदर्शक है। उन्हें जीवन में खुशियां व सम्मान देना हम सब का कर्तव्य है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यही था कि वरिष्ठ नागरिकों के चेहरे पर खुशी के भाव नजर आए, एक दिन ही सही लेकिन वह जीवन की खुशियों के रंग में रंग जाएं। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश लावणिया ने कहा कि बुजुर्ग हमारे जीवन में महत्वपूर्ण है क्योंकि उनके पास ज्ञान और अनुभव होता है। वह हमें बहुमूल्य सबक सिखा सकते हैं और अच्छा निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं। हमें बुजुर्गों का सम्मान करते हुए उनकी खुशियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

इस मौके पर समिति की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई इवेंट्स आयोजित किए गए। बुजुर्गों के बीच चली अंताक्षरी में महिलाओं ने बाजी मारी। महिला वर्ग के बैलून कंपीटीशन में कांता देवी प्रथम, उषा देवी द्वितीय तथा अंजू तृतीय रही। पुरुष वर्ग की बैलून दौड़ में रामनिवास पाटोदा प्रथम, अशोक अग्रवाल द्वितीय और मलखान सिंह तीसरे स्थान पर रहे।

महिलाओं की रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में बीना देवी, शकुंतला, उषा देवी, अंजू देवी, सुषमा, निर्मला, कमलेश, सुनीता, मोहिनी, विमल, ललित, सुशीला, सुमन की टीम प्रथम रही। कांता, छोटा, मन भावती, लाली, बीना, विमला, शकुंतला देवी, बुली देवी, रमेश, संतोष, उर्मिला, कमला देवी, कौशल्या की टीम द्वितीय रही। पुरुष वर्ग की इस प्रतियोगिता में मलखान सिंह, कैप्टन दर्शन सिंह, रणवीर सिंह, ओमप्रकाश, बजरंग, सुरेश, कर्मवीर सिंह, छोटेलाल, शेर सिंह, वीर सिंह, सुंदर लाल, लीलाराम की टीम प्रथम तथा धर्मपाल नंबरदार, रामनिवास पाटोदा, महावीर, अशोक अग्रवाल, मूलचंद, सुरेंद्र, बृजलाल, मायाराम डागर, विकास, धर्मवीर, अभय सिंह, ओमप्रकाश यादव की टीम द्वितीय रही। गीत, भजन और रागनी गायकी में भी वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का परिचय दिया इस मौके पर धार्मिक भजनों ने भी सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित सीनियर सिटीजन महिला-पुरुषों ने समिति द्वारा समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण जागरूकता समाजहित के साथ-साथ धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर समिति के कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम जारी रखने की कामना की तथा डॉ. पवित्रा राव का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित इस भव्य कार्यक्रम के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें अपने बचपन की याद ताजा हो आई। कार्यक्रम में काफी संख्या सीनियर सिटीजन महिला-पुरुषों ने भाग लिया।

नांगल चौधरी। ग्रामीणों को कांग्रेस पार्टी के एजेंडे से अवगत कराते कांग्रेसी नेता विनय यादव। *फोटो: हरिभूमि*

कांग्रेस की सरकार बनने पर 500 रुपये में मिलेगा घरेलू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

प्रदेश में सीनियर आइएएस अधिकारी रहे एवं कांग्रेसी नेता विनय सिंह यादव ने नियामतपुर, मौरूंड, थनवास, बूढ़वाल, रायमलिकपुर, नायन व आसरावास गांवों में जनसंपर्क किया। उन्होंने ग्रामीणों को भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों से अवगत कराया तथा कांग्रेस सरकार के एजेंडे की जानकारी दी। ग्रामीणों की पेयजल संबंधी समस्याएं भी सुनी। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में रसोई गैस सिलेंडर के दाम करीब तीन गुणा बढ़ गए हैं। बढ़ती कीमतों के शुरूआती चरण में उपभोक्ताओं को बैंक खाते में सब्सिडी भेजने का वादा किया गया, लेकिन चंद महीनों बाद ही अकाउंट में सब्सिडी आना बंद हो गई। अब हर दो-तीन महीने बाद 20/30 रुपयों की बढ़ोतरी कर दी जाती है, जिससे लोगों की रसोई का बजट बिगड़ गया। कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता एवं पूर्व सीएम चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सरकार बनने पर 500 रुपये घरेलू रसोई गैस का सिलेंडर मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। साथ ही बुजुगार्ें को 6000 प्रति माह बुढ़ापा सम्मान राशि मुहैया कराई जाएगी। बुढ़ापे में पेंशन ही उनके गुजारे का सहारा होती है। कांग्रेस ने सत्ता संभालते ही ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने का निर्णय लिया है। इस मौके पर सुरेश, अनिल यादव, अशोक, मुलायम यादव, राजेश कुमार, ओमप्रकाश पूर्व सरपंच व रामसिंह मौजूद रहे।

यादव धर्मशाला में किसानों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में बैठक के दौरान उपस्थित किसान। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा-दिल्ली किसान संगठन द्वारा खेतड़ी नरेला पावर ग्रिड से संबंधित किसानों को सरकार द्वारा उचित मुवावजा राशि के लिए यादव धर्मशाला में एक महापंचायत आयोजित की गई, जिसमें भारी संख्या में किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता यादव सभा प्रधान अभयराम एडवोकेट द्वारा की गई। प्रधान अभयराम ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को पावर ग्रिड का मुआवजा एचटी लाइन मार्केट रेट से व रो का ढाई गुना देने की मांग पूरी नहीं होगी, जब तक कार्य नहीं करने दिया जाएगा। किसानों के खेतों से जाने वाली लाइन की भी मुआवजा राशि की मांग की गई तथा सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया कि जब तक पावर ग्रिड पर कोई भी काम नहीं करने देंगे जब तक दिल्ली हरियाणा नई यूनिफॉर्म पॉलिसी लागू नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक चीजों के पैसे लेती है तथा किसानों की जमीन फ्री में क्यों। बैठक के दौरान सतबीर खेड़ा, सुकर्मपाल खेड़ा, गजेंद्र हरनाथ नांगल, बाबूलाल नांगल, कवंर सिंह बचीनी, बीरसिंह, बैरावास, रामनिवास, रामकुमार, हनुमान, सरपंच बाबुलाल गडानिया, विजय नांगल, रामकुमार निमोठ, सतेंद्र लौहचब, रविंद्र, आजाद, कमरजीत, उमेश दहिया, राकेश जाखड़, रत्तन यादव, वेद सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सिहमा में बाबा जांट वाले का रोट व हवन यज्ञ आयोजित

■ हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर की परिक्रमा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

खंड सिहमा की बणी में स्थित बाबा जांट वाले का रविवार को रोट एवं हवन यज्ञ हषारेल्लास व उत्साह पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस दौरान मंदिर में कई हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर की परिक्रमा कर बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। इस चिलचिलाती धूप में ग्राम पंचायत सिहमा की सरपंच सुमन देवी ने गर्मी को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रबंध किए हुए थे। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 150 वर्ष पूर्व यहां एक छोटा प्राचीन ठाकुर जी मंदिर था। उसमें शीतल दास नाम का एक महाराज यहां पर आया था। उसने इस छोटे से मंदिर में एक जांट का पेड़ लगाया था। उसी पेड़ के नीचे वह तपस्या करता था। तब उसका नाम जांट वाला बाबा के नाम प्रसिद्ध हो गया था। उस समय एक दिन बाबा शीतल दास महाराज हवन यज कर रहा था, तब उसकी धुआं महेंद्रगढ़ के राजा महेंद्र सिंह के महल में प्रवेश कर गई थी। तब वहां के राजा महेंद्र सिंह ने अपने सिपाहियों से कहा कि पता करो, यह धुआं कहां से आ रही है। तब उसके सिपाहियों ने पता किया कि यह धुआं जांट वाला महाराज की हवन यज्ञ से आ रही है। तब राजा महेंद्र सिंह ने बाबा जांट वाला के मंदिर परिसर में स्वयं आकर देखा। उस समय राजा महेंद्र सिंह शीतल दास महाराज के सामने हाथ जोड़कर उसके सामने नतमस्तक हो गए। बताया जाता है कि बाबा जाट वाला मंदिर में हवन यज्ञ करने के बाद बाबा को दाल चूरमे का प्रसाद चढ़ाया जाता है। उसके बाद आए हुए मंदिर में सभी श्रद्धालुओं को दाल चूरमे का प्रसाद वितरण करने के बाद उसी दिन शाम के समय बारिश शुरू हो जाती है। उस समय से अब तक सिहमा की बणी में स्थित इस मंदिर की व्यवस्था में ग्राम पंचायत सिहमा का विशेष योगदान रहता है। आज इस मंदिर में एक हाल, तीन नए कमरे, पीने की पानी की अच्छी व्यवस्था, बैठने के लिए सीमेंट से बनी हुई कुर्सियों के अलावा अनेक प्रकार की उचित व्यवस्था की गई है। इस मौके पर बाबा खेतानाथ मंदिर के महंत एतवार नाथ, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, पूर्व सरपंच सुबेसिंह, पूर्व सरपंच नरेश यादव, सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव, बीकेएन चेयरमैन विजय यादव, राजसिंह, देवीलाल, ईश्वर सिंह पंच, तेजपाल पंच, लक्ष्मीनारायण, अशोक शर्मा, ओमप्रकाश, दर्शन सिंह, सुरेंद्र कुमार, विक्की आर्य व नीरज कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

मंडी अटेली। सिहमा में बाबा जांट वाले मंदिर में हवन यज्ञ में आहुति डालते हुए।

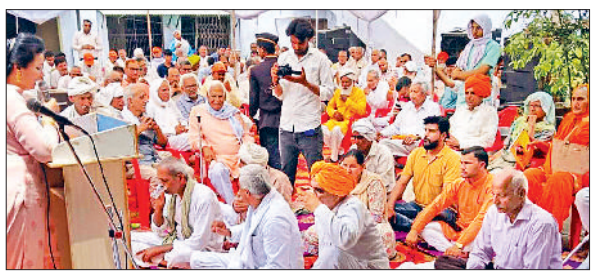

महेंद्रगढ़। श्रद्धांजलि सभा में अपने विचार रखते गणमान्य लोग। *फोटो: हरिभूमि*

परम श्रद्धेय स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती की श्रद्धांजलि सभा आयोजित

महेंद्रगढ़। स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती की आत्मिक शांति के लिए डॉ. शिव शर्मा के निवास ब्रह्मदेव चौक पर वैदिक यज्ञ के उपरांत श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। वक्ताओं ने उनके आकस्मिक निधन से इलाके व आर्य समाज को बड़ी क्षति बताया। वे 35 साल तक आर्य समाज के प्रधान के पद पर रहे। कलावती देवी ने कहा सत्य सनातन वैदिक धर्म में जीवन के चार भाग किए गए हैं ब्रह्मचर्य आश्रम, गृहस्थ आश्रम, वानप्रस्थ आश्रम और संन्यास आश्रम। संन्यास आश्रम का उद्देश्य मोक्ष की प्राप्ति है। पूर्व कमिश्नर डा. रामभक्त लांग्यान ने बताया कि उन्होंने आजीवन स्वामी दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार किया। वे उन महान राष्ट्रभक्त सन्यासियों में थे, जिन्होंने अपना जीवन, शिक्षा तथा वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर दिया था। पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा पूर्व शिक्षा मंत्री ने उनके साथ बिताए पलों को साझा किया और बताया कि वे अनुपम प्रतिभा के धनी, हृदय की विशालता, विचारों की गहनता, कार्य कुशलता, विद्वता एवं सहनशीलता का उदाहरण थे। पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा उनसे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। वे त्याग, तप, सेवा और प्रेम पथ पर चलने की व राग, द्वेष, ईर्ष्या व घमंड को छोड़ने की शिक्षा देते थे। इस मौके पर एडवोकेट धर्मवीर यादव, डॉ. आरएन यादव, रामनिवास यादव धौलेड़ा, आनंद स्वामी महाराज, यादव सभा उपप्रधान भूपेंद्र आर्य, सांसद चौधरी धर्मवीर के पुत्र मोहित चौधरी, सत्यव्रत शास्त्री, डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. आदित्य, डॉ. कपिल, रविंद्र गागड़वास, रोशन लाल आर्य, रणवीर सिंह आदि मौजूद थे।

योगाचार्य अजय कुमार दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

राजपुरा निवासी योगाचार्य अजय कुमार को नई दिल्ली के राजघाट पर गांधी दर्शन की ओर से आयोजित में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस करवाया। योग करवाने पर योगाचार्य को बिहार से सांसद सुशील कुमार व निर्देशक ज्वाला प्रसाद ने शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिह्न भेंट किया। योग आचार्य ने योग प्रोटोकॉल अभ्यास का अनुकरण करते हुए शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आसनों तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया था। गांधी दर्शन के डायरेक्टर डॉ. ज्वाला प्रसाद आमंत्रण पर उनकी योग क्षेत्र में कायार्ें को देखते हुए राजघाट पर योग दिवस पर योग करवाया। बता दें कि राजपुरा निवासी इंस्ट्रेक्टर अजय कुमार दिल्ली में केंद्र सरकार के कर्मियों को पिछले 9 साल से नई दिल्ली में योग करवा रहे हैं। योगाचार्य अजय कुमार ने कहा कि योग आज हमारी सभी आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। योग से हम अपना शारीरिक विकास करने के साथ-साथ मानसिक, बौद्धिक व आध्यात्मिक विकास भी कर सकते हैं। योग केवल एक क्रिया मात्रा नहीं है, बल्कि योग द्वारा हम निरोग जीवन जी सकते हैं।

मंडी अटेली। योग दिवस पर प्रोटोकॉल के तहत योग पुरुस्कार प्राप्त करते अजय कुमार।

थाना प्रभारी ने भारी वाहनों के लिए लगाया नो एंट्री बोर्ड

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के नागरिक अस्पताल से हांसी चुंगी तक बिचले मार्ग पर भारी वाहनों के चलते रोजाना भय का माहौल बना हुआ था और कस्बावासी काफी परेशान थे। कस्बावासियों के लिए पुलिस प्रशासन ने नई मुहिम अपनाई और नागरिक अस्पताल व हांसी चुंगी पर भारी वाहनों की नो एंट्री के लिए बोर्ड लगा दिया। थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि रोजाना कस्बावासी की शिकायतें मिल रही थी कि भारी वाहन तेज गति से वाहनों को लेकर बवानीखेड़ा के अंदरूनी मार्ग से गुजरते हैं, जिससे एक्सीडेंट व बड़ा हादसा होने का भय बना रहता है। हालांकि संबंधित विभाग द्वारा बैकर भी लगाए हैं, लेकिन कुछ वाहन चालक अनियंत्रित होकर वाहनों को चलाते हैं। इसके चलते मार्ग के दोनों तक समय सीमा दशार्ते हुए बोर्ड लगाए गए हैं ताकि इन पर अंकुश लगाया जा सके।

होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित कर मनाया संत कबीरदास का प्रकट दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संत शिरोमणि कबीरदास महाराज ने शिक्षा को ही समाज की तरक्की की एकमात्र राह बताया था, उनका मानना था कि जिस राष्ट्र के युवा शिक्षित होंगे, उसकी तरक्की को रोकना असंभव है, ऐसे में संत कबीरदास महाराज की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था व संत दुर्बलनाथ शक्तिपीठ संस्थान ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से शनिवार को एक होटल में सम्मान समारोह एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया।

कार्यक्रम में अतिथि हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने शिरकत की। कार्यक्रम में सान्निध्य स्वामी अनिलराज ने उपस्थित लोगों को ध्यान करवाया। उन्होंने कहा कि ध्यान एक प्राचीन मानसिक एवं शारीरिक अभ्यास है, जो मन को शांत और केंद्रित करने में मदद करता है। इस दौरान एकेडमिक एंड स्पोर्ट्स में अव्वल आने पर उत्कर्ष बड़गुज्जर, अंजली सैनी, प्रीति सैनी, रूद्राक्ष संभ्रवाल, वंश धानिया, मयंक बेडवाल अंशुल भुक्कल व अंशु सहित होनहार विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, एनसीसी कैडेट्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले युवाओं को सम्मानित किया।

■ संत महापुरूषों के दिखाए मार्ग पर चलकर जीवन बनाएं खुशहाल: बड़गुज्जर

भिवानी। होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि।

आडंबरों का किया विरोध

हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने कहा कि संत कबीरदास महाराज ने युवाओं को शिक्षा के दम पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर राष्ट्र की तरक्की का मार्ग दिखाया था। उन्होंने जाति-पाति सहित आडंबरों का विरोध कर सादा जीवन-उच्च विचार की परिभाषा भी बताई थी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी, पार्षद विनोद प्रजापति, अश्विनी संभ्रवाल, विकास जांगड़ा, धर्मबीर यादव, हरिओम, जोगेंद्र, नरेंद्र भुक्कल, प्रेम यादव, सुरेश धानिया, अधिवक्ता अजय आदि मौजूद रहे।

गांव दिनोद के राधा स्वामी आश्रम में परमसंत कंवर साहेब ने भक्तों को प्रवचनों से किया निहाल

मन इंसान का सबसे बड़ा शत्रु, यह हमें असत्य में फंसाता हैं: कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सन्त किसी के आश्रित नहीं होते, बल्कि सम्पूर्ण जगत सन्त पर आश्रित रहता है, सन्त तो जो चाहे कर सकते हैं, वे सेवा भी भक्ति के पिपासु से ही लेते हैं, जिसके हृदय में कपट है वो उनके वचन को नहीं परख सकता।

सत्य को जानने के लिए हृदय को भी सच्चा बनाना पड़ेगा, ये सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव में राधा स्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर महाराज ने कहा कि पूरा संसार ही माया के फेर में उलझा हुआ है, माया नाम ही मृगतृष्णा का है। उन्होंने कहा कि मृगतृष्णा का अंत सन्तों की शरणाई से ही हो सकता है। परमात्मा वो हीरा है, जिसके बाहर माया ने अनेक ताले लगा रखे हैं, इन तालों की चाबी केवल सतगुरु के पास है और चाबी केवल गुरुमुख को ही मिलती है। अब सवाल यह कि गुरुमुख की पहचान कैसे हो, गुरुमुख वो है जो अपने मन की बजाय गुरु के वचन पर आश्रित हो। गुरुमुख गुरु के वचन पर संशय नहीं करता। उसका एक एक पल सेवा, प्रेम और समर्पण में बीतता है। गुरु महाराज ने फरमाया कि गुणों का प्रवाह एक या दो दिन का नहीं होता बल्कि यह तो जीवनभर की परीक्षा है।

खुद को ठीक करलो सब ठीक हो जाएगा

कंवर साहेब ने कहा कि हम कितने कृतघ्न है जो सब कुछ देने वाले परमात्मा को भी भुला बैठे हैं। ये मन इंसान का सबसे बड़ा शत्रु है, क्योंकि ये हमें सत्य से हटाकर असत्य में फंसाता है। सुलझाने वाले रास्ते से हटाकर सारी उलझाने वाली बातों में फंसाता है। मनुष्य का चौला मिला है तो इसके कर्तव्यों को निभावो, अपना बर्ताव एवं स्वभाव सुधारो, खुद को ठीक करलो सब ठीक हो जाएगा।

जीवन के लक्ष्य को पहचानो

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एक दिन के त्याग बलिदान के कारण महात्मा नहीं बने बल्कि जीवनभर के आदर्शों से महात्मा बनें, कितने उदाहरण संसार में भरे पड़े हैं। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि भक्त प्रह्लाद, मीराबाई, रविदास, सैन भगत एक दिन के परोपकार या परमार्थ से भक्त नहीं बने, बल्कि जीवनभर के लिए उन्होंने इस मार्ग को चुना। जीवन के लक्ष्य को पहचानो, अच्छा करने से अच्छा होना है तो किसी का बुरा क्यों सोचे, अपने लिए नहीं औरों के लिए जीना सीखो, स्वार्थ के लिए इंसान प्रकृति को अपना दुश्मन बना बैठा।

खबर संक्षेप

राजमिस्त्री घर से लापता केस दर्ज

महेंद्रगढ़। मध्यप्रदेश के रहने वाला एक राजमिस्त्री संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया हैं। प्रेमकुमारी ने सिटी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह मध्यप्रदेश जिला पन्ना तहसील गुनौर की रहने वाली है। अभी हाल में अपने पति के साथ सतनाली चौक दूध डेयरी के पीछे कॉलोनी में रहती है। मेरा पति रामसुभाष चौधरी राजमिस्त्री का कार्य करता है। पति 21 जून को दोपहर का खाना खाने के बाद सतनाली रोड पर ठेका शराब के पीछे कार्य कर रहा था। वह दोपहर के बाद शाम को घर पर नहीं आया व उसका कहीं पर पता नहीं चल रहा है।

अंडरपास को धरना 199वें दिन भी जारी

मंडी अटेली। अटेली मण्डी अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति का धरना 199वें दिन भी जारी रहा। रविवार को धरने की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर सुबेसिंह ने की तथा संचालन संघर्ष समिति संचालक डॉ. राजेंद्र प्रसाद खरब ने की। संघर्ष समिति संचालक डॉ. राजेंद्र प्रसाद खरब ने रेलवे प्रशासन से एलसी 30 अटेली मण्डी के बंद पड़े अंडरपास कार्य को शुरू कर शीघ्र पूरा करवाने की मांग की है। उन्होंने बारिश से पहले वैकल्पिक रास्ते की सहूलियत की मांग की है। खरब ने कहा कि जब तक अटेली मण्डी अंडरपास का शेष निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, धरना जारी रहेगा। इस मौके पर प्रकाश खरब, हनुमान शर्मा, रोहतास रिटायर्ड गिरदावर व बिजेंद्र चेयरमैन आदि उपस्थित रहे।

पांच किसानों के फव्वारा नोजल चोरी

डहीना। कंवाली में चोर पांच किसानों के फव्वारा नोजल चोरी कर ले गए। थाना खोल पुलिस को दर्ज शिकायत में रामकिशन ने बताया कि उसने बाजरे की फसल सिंचाई के लिए खेत में फव्वारा नोजल लगाई थीं। सुबह के समय वह खेत में गया तो उसकी 10 नोजल चोरी हुई मिलीं। उसने आसपास पता किया तो गांव के ही जगदीश, इंद्रजीत, अमन व सूरत सिंह के खेतों से भी नोजल चोरी होने की जानकारी मिली।

नांगल चौधरी विस में 1996 से चुनाव नहीं जीत पाई कांग्रेस, पांच बार गुर्जर समुदाय को थमाई टिकट

- जातीय समीकरणों को भुलाकर जिताऊ यादव प्रत्याशी पर दांव खेल सकती है कांग्रेस, सर्वे के लिए पार्टी ने कंपनी को सौंपी जिम्मेवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

हरियाणा में विधानसभा चुनावों की बिसात बिछने लगी है। टिकट की चाहत को लेकर पार्टियों में आयाराम गयाराम का खेल शुरू हो गया, लेकिन लोकसभा चुनावों में जिले के चारों हलकों से पिछड़ने के बाद कांग्रेस बैकफुट पर खड़ी दिखाई दे रही है। क्योंकि 1991 के बाद पार्टी को नांगल चौधरी हलके से जीत नहीं मिल पाई है। इसलिए हाईकमान ने जातीय समीकरणों को दरकिनार करके जिताऊ प्रत्याशी तलाशने की प्रक्रिया तेज कर दी है। आपको बता दें कि अक्टूबर 2024 में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा को पांच सीटों का नुकसान हुआ है, दूसरी ओर कांग्रेस 0 से 5 सीटों तक पहुंच गई। जिससे पार्टी में उत्साह है, लेकिन चिंतन भी दिखाई दे रहा है, क्योंकि जिले के चारों हलकों से कांग्रेस को पराजय झेलनी पड़ी है। ऐसे में विधानसभा चुनाव कैसे जीता जाएगा, इसको लेकर पार्टी में मंथन का दौर शुरू हो गया है हालांकि लोकसभा के परिणामों से वर्करों का जोश बढ़ गया और सत्ता तक पहुंचने की चर्चाओं का बाजार गर्म है। लेकिन पार्टी के अंदर अभी भी नांगल चौधरी हलका असुरक्षित समझा जा रहा है। इसके पीछे तर्क है कि पार्टी को लगातार छह बार पराजय मिल चुकी है। 2009 के परिसिमन में नांगल चौधरी हलके का गठन हुआ था। नवगठित हलके से राव बहादुर सिंह को प्रथम विधायक बनने का गौरव मिला। 2014 में इनेलो छोड़कर आए डॉ. अभय सिंह ने भाजपा के निशान पर चुनाव लड़ा तथा कड़े मुकाबले में जीत हासिल की थी। 2019 के चुनाव में भी भाजपा प्रत्याशी ने 50 फीसदी से अधिक वोट लेकर चुनाव जीता है। ऐसे में कांग्रेस ने नांगल चौधरी हलके से जीत की शुरूआत करने की योजना बनाई है, क्योंकि कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने रिटायर्ड आइएएस विनय यादव की ज्वाइनिंग समारोह में नांगल चौधरी को टारगेट बनाया था। उन्होंने कहा था कि अबकी बार पहली सीट निकालने की शुरूआत नांगल चौधरी हलके से करेंगे। सूत्रों की मानें तो पार्टी ने एक निजी कंपनी को सर्वे का टेंडर भी छोड़ दिया, जोकि अगस्त महीने तक हलके वाइज जिताऊ प्रत्याशियों की सूची सौंपेगी। राजनीतिक जानकारों की मानें तो अबकी कांग्रेस पार्टी लोकसभा की टिकट वितरण जैसा पैट्रन अपना सकती है। जातीय समीकरणों को छोड़कर जिताऊ उम्मीदवार मैदान में उतारने की प्रबल संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

नांगल चौधरी हलके का परिसिमन 2009 में हुआ

2009 के परिसिमन में नांगल चौधरी हलके का गठन हुआ था। यह नया हलका नारनौल और अटेली हलके के गांवों को शामिल करके किया गया है। हलके में करीब 104 गांव व ढाणियां शामिल है तथा एक लाख 70 हजार से अधिक वोटर हैं। अहीर वोट करीब 45 हजार, गुर्जर 35 हजार, जाट 18 हजार तथा लगभग 25 हजार एससी वोटर हैं।

कांग्रेस को 1996 से जीत का इंतजार, वर्करों में मायूसी

चुनाव	प्रत्याशी	समुदाय	परिणाम
1996	चौ. फूसाराम	गुर्जर	हारे
2000	रेणू पोसवाल	गुर्जर	हारी
2005	चंद्रप्रकाश एडवोकेट	गुर्जर	हारे
2009	राधेश्याम शर्मा	ब्राह्मण	हारे
2014	चंद्रप्रकाश एडवोकेट	गुर्जर	हारे
2019	राजाराम गोलवा	गुर्जर	हारे

जातीय समीकरण नजरंदाज हुए तो यादव को मिल सकती है टिकट

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में जातीय समीकरणों को प्राथमिकता नहीं दी। कई सीटों पर कांग्रेस और भाजपा ने एक ही समुदाय को प्रत्याशी बनाया था, जिसमें कांग्रेस को सकारात्मक परिणाम मिले हैं। ऐसे में विधानसभा चुनावों में पार्टी सर्वे रिपोर्ट के आधार पर नांगल चौधरी हलके में भाजपा प्रत्याशी के डॉ. अभय सिंह यादव के मुकाबले में मुकाबले में किसी यादव को टिकट थमा सकती है।

शहर के सार्वजनिक शौचालयों की सफाई का ठेका खत्म, लोग परेशान

एजेंसी का ठेका खत्म होने से सार्वजनिक शौचालयों पर 20 दिनों से लटका है ताला

दो साल पहले नगर पालिका ने करीब 48 लाख रुपये की लागत से चार सार्वजनिक शौचालयों का करवाया था निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नगर पालिका ने यह बनवाए थे शौचालय। फोटो : हरिभूमि

शहर के सार्वजनिक शौचालयों की सफाई का ठेका खत्म हो गया है। इसके चलते पिछले करीब 20 दिनों से सार्वजनिक शौचालयों पर ताले लटके हुए हैं। इससे बाजारों में आने वाले ग्राहक व दुकानदार परेशान हैं। इसके अलावा शहर में चौक चौराहों पर रहने वाले घुमंतू परिवार व झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले लोग ज्यादा परेशान हैं। ये लोग सुबह व शाम को खुले में ही शौच के लिए जाने को मजबूर हैं। इसके अतिरिक्त बाजार में खरीददारी करने वाली महिलाओं को खासकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर में सभी सार्वजनिक शौचालयों पर करीब 20 दिनों से ताला लगा हुआ है। बता दें कि नगर पालिका द्वारा शहर को साफ व स्वच्छ बनाने के लिए जुलाई 2022 में शहर में करीब 48 लाख रुपये की लागत से चार सार्वजनिक शौचालय का निर्माण करवाया था। नए सार्वजनिक शौचालय का बनने से शहर के लोगों को काफी लाभ मिल रहा था। खासकर बाजार में आने वाली महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा था। नगर पालिका द्वारा करीब 48 लाख रुपये की लागत से नागरिक अस्पताल के पास, आंबेडकर चौक के पास, चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क व मोदाश्रम के पास अति आधुनिक सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण अति आधुनिक तरीके से करवाया था। प्रत्येक शौचालय पर करीब 12 लाख रुपये की लागत आई थी, लेकिन एजेंसी का ठेका खत्म होने से इन चारों शौचालयों पर करीब 20 दिनों से ताला लटका हुआ है, जिसके चलते बाजार में आने वाले ग्राहकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा दुकानदार भी खुले में टायलेट करने को मजबूर हैं।

महिलाओं को उठानी पड़ रही है परेशानी

बता दें कि आंबेडकर चौक के पास करीब 700 से 800 दुकानदार हैं। इन दुकानों पर करीब पांच से छह हजार लोग खरीदारी करने आते हैं। इन दुकानदारों के पास आंबेडकर चौक के अलावा कोई ओर शौचालय नहीं होने से दुकानदारों को खुले में टायलेट करने को मजबूर हैं। रेलवे रोड पर भी एक सार्वजनिक शौचालय हैं। इस शौचालय पर भी 20 दिनों से ताला लटका हैं। इसके रेलवे रोड पर पास हीं नागरिक अस्पताल, सदर व सिटी पुलिस थाना है। इनमें आने वाले लोग इसी शौचालय का इस्तेमाल करते हैं। इसके अतिरिक्त चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में भी एक सार्वजनिक शौचालय है। मोदाश्रम के पास नगर पालिका द्वारा शौचालय का निर्माण करवाया गया है। शौचालय पर ताला लटका होने से खासकर महिलाओं को परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर पालिका जल्द टेंडर लगाकर शौचालय से ताला हटाया जाए।

जल्द ही लगाया जाएगा टेंडर

एजेंसी का ठेका खत्म होने से शौचालय पर ताला लटका हुआ है। जल्द ही टेंडर लगाया जाएगा। जब तक टेंडर नहीं लगते कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी, ताकि बाजार में आने वाले लोगों को परेशानी न उठानी पड़े।
रमेश सैनी प्रधान, नगर पालिका,

कनीना। गुढा में पहुंचे युवक-युवतियों से पूछताछ करती पुलिस।

सर्वे के नाम पर जानकारी जुटाने वाले पर ग्रामीणों ने जताया संदेह

- जानकारी का मिसयूज तथा साईबर फ्रॉड होने का अंदेशा, पुलिस कर रही पूछताछ

हरिभूमि न्यूज कनीना

कनीना खंड के गांव गुढ़ा में राजनीतिक सर्वे के नाम पर ग्रामीणों से मोबाईल डाटा व अन्य जानकारी जुटाने के आरोप में पुलिस ने जांच शुरू की है। अपने आप को दिल्ली से आए हुए बताकर करीब दर्जनभर युवक-युवतियों ने शॉसल मीडिया सर्वे के नाम पर ग्रामीणों से जानकारी जुटानी चाही। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व वे भोजावास, ईसराना व दोंगडा आदि गांवों में ग्रामीणों से जानकारी जुटाकर लाए थे। गुढ़ा गांव की गलियों में घूमकर ग्रामीणों से जानकारी जुटा रहे थे तो प्रबुद्ध ग्रामीणों को संदेह हुआ। उन्होंने युवक-युवतियों से उनके पहचान-पत्र, आधार कार्ड, सोशल मीडिया कम्पनी का नाम-पता, सर्वे करने के लिए जिला प्रशासन की अनुमति आदि को लेकर पूछताछ की तो वे उनका सही तरीके से जवाब नहीं दे सके। ग्रामीणों का मानना था कि युवक-युवतियां गांव में सर्वे के बहाने ग्रामीणों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित कर रहे हैं, जिसका मिसयूज होने की प्रबल संभावना है। इसके अलावा साईबर फ्रॉड तथा चोरी की घटना का भी अंदेशा है। उन्होंने इस बात की जानकारी 112 नम्बर डायल कर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बाहर से आए युवक-युवतियों से पूछताछ की। उन्होंने पुलिस के सामने बताया कि वे विधानसभा चुनाव को लेकर सर्वे कर रहे हैं और पहली बार इस क्षेत्र में आए हैं। उनकी ओर से ग्राम पंचायत को भी सूचना नहीं दी गई थी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस युवक-युवतियों से तहकीकात कर रही थी।

कितना प्यारा है सिंगार तेरी लेऊ नजर उतार यशपाल ने मोर छड़ी लहराई रे...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। यजमान को सम्मानित करते मंडल सदस्य। फोटो :हरि भूमि

श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वाधान में देर शाम वार शनिवार को मन्नू नगर में धर्मपाल शर्मा व संतोष शर्मा के निवास स्थान पर श्याम बाबा का साप्ताहिक कीर्तन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगी लाइट व फूलों से सजाया गया जो आकर्षण का केंद्र रहा। आचार्य योगेश शर्मा ने मुख्य यजमान श्री धर्मपाल शर्मा से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योत प्रज्वलित करवाकर व सतीश राणा ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद बबलू शर्मा ने कितना प्यारा है सिंगार तेरी लेऊ नजर उतार यशपाल ने मोर छड़ी लहराई रे भजन सुनाया। पंकज लखेरा ने खाटू को श्याम रंगीलो रे व विकाश जांगिड़ ने राम आएंगे व चेतन जिंदल ने लुटा दिया भंडार खाटू वाले ने भजन सुनाए व अनिल लखा ने ऐसी मस्ती कहा मिलेगी आदि धमाल सुनाकर भक्तों को नाचने पर विवश कर दिया। जागरण में झांकी प्रस्तुत की गई। जागरण में नरेश जैन, सुरेश सोनी, विनोद राव, मनोज वालिया, भारत भूषण वालिया पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, डॉ. राजीव गौड डॉ. गरिमा गौड, नतीन गौड कुलदीप वतन, डॉ. ज्योति शर्मा, सुरेश शर्मा कांवी, सतीश वर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, गिरधारी शर्मा, सकुंतला शर्मा, नारेश लालाजी, घनश्याम शर्मा, मदनलाल ा, सुशील यादव, अशोक सैनी आदि उपस्थित रहे।

26 टीम में 127 पुलिस कर्मी शाामिल हो चलाया जिलेभर में सर्च अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पुलिस ने जिलेभर में अनैतिक गतिविधियों के संबंध में विशेष चैकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एक अवैध हथियार, 118 बोतल अवैध शराब और 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस के द्वारा लेन ड्राइविंग के नियमों की पालना न करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 96 वाहनों के चालान किए गए हैं। पुलिस नो एक चोरीशुदा बाइक बरामद की गई और अवैध खनन कर पत्थरों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को इंपाउंड किया गया। अभियान में 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। स्पेशल अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी अपराध जांच शाखा एवं थाना व चौकी स्तर पर टीमों का गठन किया गया। जिसमें पुलिस जिला के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भिन्न-भिन्न जगहों पर रेड कर अलग-अलग मामलों में आरोपितों को पकड़ने में सफलता हासिल की। इस सर्च अभियान के दौरान जिला पुलिस की 26 टीमों का गठन किया गया, जिनमें करीब 127 पुलिस कर्मी शामिल हुए। सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध हथियार, अवैध शराब का कारोबार और नशीले पदार्थ बेचने वालो पर मुख्यतः कार्रवाई की गई और अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की पहचान की गई। सभी मामलों में आरोपितों के खिलाफ आबकारी व आर्म्स एक्ट एवं आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करके कार्यवाही अमल में लाई गई।

सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा

पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि यदि उनके आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे या किसी व्यक्ति द्वारा नशीले पदार्थों का व्यापार करने के बारे में सूचना मिले तो तुरंत इसकी सूचना डायल 112 या अपने संबंधित पुलिस थाना या चौकी में तुरंत दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा।

भंडारे हमारी समृध संस्कृति व भाईचारे का प्रतीक : कमलेश

कनीना। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज कनीना

भंडारे हमारी समृद्व संस्कृति तथा भाईचारे का प्रतीक हैं। धर्म स्थलों पर इनका आयोजन समय-समय पर होता रहता है। ये विचार कमलेश वशिष्ठ ने आषाढ़ बदी द्वितीय तिथि, रविवार को बाबा जयरादास पाली की स्मृति में आयोजित भंडारे में उपस्थित जनों के समक्ष व्यक्त किए। उउन्होंने बताया कि बाबा जयरामदास के मंदिर को भव्य स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर डॉ राजेश शर्मा, एडवोकेट जितेंद्र शर्मा, दलीप सिंह, मुकेश शर्मा, नम्बरदार सुनील कुमार, प्रदीप शर्मा, कंवरसिंह, संदीप कुमार सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

नशीले पदार्थ बेचने के मामले में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

एचएसएनसीबी रेवाड़ी यूनिट की टीम ने महेंद्रगढ़ क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थ बेचने के मामले में दो आरोपितों को पकड़ा है। आरोपितों की पहचान सौरव उर्फ काजलिया निवासी मौहल्ला पत्थर मार्केट सतनाली व सुनील उर्फ चिन्टु बारडा सतनाली के रूप में हुई। टीम ने आरोपितों के पास से 3.85 ग्राम नशीला पदार्थ चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि टीम लहरोदा फ्लाई ओवर टांटला चौक के पास मौजूद थी। उसी समय टीम को गुप्त सूचना मिली कि सौरव उर्फ काजलिया व सुनील उर्फ चिन्टु नशीला पदार्थ चिट्टा (हेरोईन) बेचने का काम करते हैं और अपनी स्कुटी पर नशीला पदार्थ चिट्टा (हेरोईन) लेकर नारनौल की तरफ से आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा नाकाबंदी कर चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान स्कूटी सवार दो युवकों को काबूकर पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम सुनील और सौरव उपरोक्त बतलाए। जिनके पास से फॉइल पेपर के पाउच बरामद हुए, जिनसे नशीला पदार्थ चिट्टा (हेरोइन) बरामद हुआ। जिनका वजन करने पर 3.85 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपितों को अवैध नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर लिया। थाना सदर नारनौल में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और बरामद अवैध नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया गया।

सीआईए टीम ने पकड़ी अवैध शराब

महेंद्रगढ़। गांव छाजियावास में सीआईए पुलिस ने खेत में बने एक कोठडे से काफी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। सदर थाना पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीआईए पुलिस टीम शनिवार शाम गश्त के दौरान गांव छाजियावास के बस स्टैंड पर मौजूद थी। मुखबिर के बताए अनुसार खेत में बने कोठडा पर पहुंचे। वहां पर रुपेश नहीं मिला। कोठडा का दरवाजा खोलकर देखा तो कोठडे में काफी मात्रा में अलग-अलग मार्क की अंग्रेजी शराब मिली। बरामद शराब की गिनती की गई तो जिसमें तीन पेटी पव्वा अंग्रेजी मार्का मैकडॉल नंबर एक, दो पेटी पव्वा अंग्रेजी शराब मार्का इंपीरियल ब्लू, 72 पव्वा अंग्रेजी शराब मार्का स्टलिंग रिजर्व, 32 पव्वा अंग्रेजी शराब मार्का रॉयल स्टैग, 19 पव्वा अंग्रेजी मार्का रॉयल चैलेंज, 32 अध्धा अंग्रेजी शराब मार्का मैकडॉवेल नंबर एक व 14 अध्धा अंग्रेजी शराब मार्का इंपीरियल ब्लू जिन की कुल 113 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने अवैध शराब को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की।

प्रभात फेरी — प्रभात फेरी में सबसे आगे हनुमानजी की पताका चल रही थी

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन ने 75वी प्रभात फेरी प्लेटिनम जुबली के रूप में मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। 75वीं प्रभात फेरी में हिस्सा लेते श्रद्धालु। फोटो :हरि भूमि

राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से रविवार को अपनी 75वी प्रभात फेरी का आयोजन प्लेटिनम जुबली के रूप में किया गया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने प्रातः छह बजे चंदन का तिलक व राधे नाम का बैज लगाकर राधा संकीर्तन प्रारंभ किया। नई मंडी के पास राजीव चौक से प्रभात फेरी के यजमान दिनेश खोड़मा वाले ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती की। प्रभात फेरी में सबसे आगे हनुमानजी की पताका चल रही थी। राधा नाम संकीर्तन रथ के साथ सुबह का आगाज भक्ति में वातावरण के साथ सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, नौजवान धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते गाते बजाते राधे नाम का जाप किया। बाल गोपाल कृष्ण कन्हैया जी को पालकी में बैठकर भक्तजन पालकी को कंधे पर उठाकर बड़े ही उत्साहित और अपने आप को भाग्यशाली महसूस कर रहे थे। पीले वस्त्र में उपस्थित सभी लोग ऐसे लग रहे थे मानो वृंदावन धाम में राधा नाम धुन के ऊपर बांके बिहारी जी को रिझा रहे हो। यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर प्रभात फेरी नई मंडी परिसर के अंदर से परिक्रमा करके राजीव चौक से टिमटिम टावर के पास से मोहल्ला बस में से होकर अग्रसेन चौक होते हुए लोहा मंडी काठमंडी से वापस निवास स्थान पर ही समाप्त हुई। परिक्रमा मार्ग में धरती के प्रत्येक जीव जंतु ने एक भाव से प्रातः काल की बेला में ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का गूंजन किया तथा साथ ही बड़े आनंद की अनुभूति करवाते हुए पूरा वातावरण गूंजायमान हो रहा था। महिलाएं प्रभात फेरी में अपने लड्डू गोपाल को नगर भ्रमण के लिए साथ लेकर आई। छोटे-छोटे बच्चे राधा रानी व कान्हा जी का श्रृंगार करके बहुत सुंदर लग रहे थे। वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन, बरसाना की कुंज गलियों की तरह नारनौल की गलियां ऐसे लग रही थी जैसे हम किसी अलग दुनिया में आ गए हो, जहां पर शुद्ध मन के साथ प्रकृति के हर जीव जंतु को भगवान का स्मरण करने में एक नई ऊर्जा प्राप्त हो रही थी। प्रभात कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की इस फेरी में लोगों ने ढोल-मंजीरे बजाते हुए राधे-राधे के नारों के साथ ऐसा माहौल बना दिया। जैसे श्रीभगवान कृष्ण की नगरी वृंदावन में लोग झूम-झूम कर नाच-गाकर राधे-राधे को रिझा रहे हो, नारो से सराबोर हो समस्त वातावरण को ऐसा बना दिया जिससे गली-गली में ऐसा लग रहा था जैसे भक्ति रंग में रंगे राधा नाम प्रेम है।